कला, विज्ञान, वाणिज्य एवं बी.एड. संकायों की नैक (B++) प्रत्यायित संस्था

दिग्विजयनाथ स्नातकोत्तर महाविद्यालय

सिविल लाइन्स, गोरखपुर–273001

सम्बद्ध : दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर

दिगंत

ई-पत्रिका:अगस्त-2025

उत्तर प्रदेश शासन द्वारा 'अ' श्रेणी में वर्गीकृत

Website : www.dnpgcollege.edu.in **Helpline Email** : dnpgonline@gmail.com

Office Email : dnpggkp@gmail.com **Contact Number** : 0551-2334549

For Social App links (Click one icon) :

दिगंत-ई-पत्रिका:अगस्त-2025

संरक्षक मण्डल

परमपूज्य गोरक्षपीठाधीश्वर योगी आदित्यनाथ जी महाराज

मुख्य संरक्षक

प्रो.उदय प्रताप सिंह

अध्यक्ष, महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद, गोरखपुर

श्री प्रमोद कुमार चौधरी

उपाध्यक्ष, महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद, गोरखपुर

सम्पादक मण्डल

प्रो. ओम प्रकाश सिंह,प्राचार्य

प्रधान सम्पादक

1. **डॉ. सुभाष चन्द्र,** सहायक आचार्य, बी.एड. विभाग
2. **डॉ. विभा सिंह,** सहायक आचार्य, हिन्दी विभाग
3. **डॉ. प्रियंका सिंह,** सहायक आचार्य, राजनीति विज्ञान विभाग
4. **श्री अश्वनी कुमार श्रीवास्तव,** तकनीकी सहायक

August-2025

कार्यक्रम-विवरण

क्र.सं.	दिनांक एवं दिन	विभाग का नाम	कार्यक्रम का नाम	पेज नं.
1	03.08.2025 रविवार	महाविद्यालय	पुरातन छात्र सम्मेलन	1–2
2	04.08.2025 सोमवार	महाविद्यालय	पुरातन छात्र द्वारा रक्षा एवं स्त्रातजिक अध्ययन विभाग को वाटर प्यूरीफायर (आर.ओ.) व पुस्तक भेंट प्रस्तुत	2–3
3	07.08.2025 सोमवार	प्लेसमेंट सेल, इनोवेशन सेल एवं राष्ट्रीय सेवा योजना	'जिलेट गार्ड' के माध्यम से छात्रों हेतु 'कर लो सफलता मुट्ठी में' करियर काउंसलिंग कार्यक्रम	3
4	07.08.2025 सोमवार	राष्ट्रीय सेवा योजना	'हर घर तिरंगा' कार्यक्रम के अंतर्गत 'राखी मेकिंग प्रतियोगिता' का आयोजन	4
5	08.08.2025 सोमवार	अर्थशास्त्र	अगस्त क्रान्ति (09 अगस्त 1942) की पूर्व संध्या पर संगोष्ठी का आयोजन	5
6	12.08.2025 मंगलवार	प्राणि विज्ञान विभाग	जूलॉजिकल सोसाइटी के संयुक्त तत्वावधान में 'वर्ल्ड एलीफैंट डे' विषय पर ऑनलाइन विशिष्ट व्याख्यान	6
7	13.08.2025 बुधवार	राष्ट्रीय सेवा योजना	भव्य तिरंगा यात्रा	7
8	14.08.2025 वृहस्पतिवार	एन.सी.सी.	'आयुष्मान भारत' 'पी.एम. जन आरोग्य योजना' विषय पर संगोष्ठी का आयोजन	8
9	14.08.2025 वृहस्पतिवार	महाविद्यालय	अखंड भारत संकल्प दिवस पर दिग्विजयनाथ पी.जी. कॉलेज में विभाजन की त्रासदी को किया स्मरण	9
10	15.08.2025 शुक्रवार	महाविद्यालय	79वें स्वतंत्रता दिवस को ध्वजारोहण के साथ ही हर्षोल्लास से मनाया गया।	10
11	18.08.2025 सोमवार	महाविद्यालय	युगपुरूष ब्रह्मलीन मंहत दिग्विजयनाथ जी महाराज एवं राष्ट्रसंत ब्रह्मलीन महंत अवेद्यनाथ जी महाराज स्मृति व्याख्यानमाला प्रथम व्याख्यान	11–12
12	22.08.2025 शुक्रवार	महाविद्यालय	आविष्कार फाउण्डेशन द्वारा जिले स्तर की युवा उद्यमिता कार्यक्रम	12–13

13	23.08.2025 शनिवार	प्राचीन इतिहास, पुरातत्त्व एवं संस्कृति विभाग	नवागत छात्र–छात्राओं के लिए अभिविन्यास कार्यक्रम	13–14
14	23.08.2025 शनिवार	महाविद्यालय	'स्पेस डे' पर साइंस–टेक टॉक्स का आयोजन	14
15	26.08.2025 मंगलवार	प्राचीन इतिहास, पुरातत्त्व एवं संस्कृति विभाग	प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता का सफल आयोजन	15
16	27.08.2025 बुधवार	प्राचीन इतिहास, पुरातत्त्व एवं संस्कृति विभाग	विशिष्ट व्याख्यान	16–17
17	27.08.2025 बुधवार	समाजशास्त्र विभाग	अभिविन्यास कार्यक्रम	17
18	27.08.2025 बुधवार	एन.सी.सी.	संगोष्ठी	18
19	28.08.2025 वृहस्पतिवार	राजनीति विज्ञान विभाग	अभिविन्यास कार्यक्रम	19
20	28.08.2025 वृहस्पतिवार	अंग्रेजी विभाग	अभिविन्यास कार्यक्रम	20
21	29.08.2025 वृहस्पतिवार	खेल विभाग	शतरंज, इंट्राम्यूरल प्रतियोगिता का आयोजन	20–21
22	29.08.2025 वृहस्पतिवार	खेल विभाग	शतरंज, इंट्राम्यूरल प्रतियोगिता का आयोजन	21
23	30.08.2025 शुक्रवार	खेल विभाग	शतरंज, इंट्राम्यूरल प्रतियोगिता का आयोजन	22

Aug

महाविद्यालय के पुरातन छात्र परिषद द्वारा पुरातन छात्र सम्मेलन

3 अगस्त 2025 को महाविद्यालय के पुरातन छात्र परिषद द्वारा सम्मेलन का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में **मुख्य अतिथि गजेन्द्र त्रिपाठी, मीडिया प्रभारी आज तक न्यूज चैनल गोरखपुर मण्डल क्षेत्र थे। इस अवसर पर उन्होंने** कहा कि इस महाविद्यालय ने हमें अपने मन से डर को निकालते हुए जीवन में आगे बढ़ने हेतु सदैव प्रोत्साहित किया है। किसी भी विद्यार्थी को आगे बढ़ने व स्वयं की प्रतिभा निखारने में शिक्षक की महत्वपूर्ण भूमिका होती है।

कार्यक्रम के **विशिष्ट अतिथि डॉ. प्रवीन कुमार सिंह, सहायक आचार्य रक्षा अध्ययन विभाग, गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर** थे। उन्होंने अपने अनुभवों को साझा करते हुए कहा कि महाविद्यालय में राष्ट्रीय सेवा योजना जैसे कार्यक्रमों की सहभागिता ने आगे बढ़ने में हमें विशेष रूप से प्रेरित किया है। जीवन में आगे बढ़ने के लिए लक्ष्य का चयन और उस पर अडिग रहना अति आवश्यक है।

कार्यक्रम की **विशिष्ट अतिथि श्रीमती प्रतिमा शुक्ला जिला ट्रेनिंग कमिश्नर, स्काउट गाइड, गोरखपुर थी। उन्होंने** कहा कि छात्र व शिक्षक के बीच एक तारतम्य होता है, जो उसे आगे बढ़ने हेतु प्रेरित करता है। एक शिक्षक ही अपने विद्यार्थी की प्रतिभा को सही दिशा में निर्देशित करने में भूमिका निभाता है।

कार्यक्रम के **अध्यक्ष श्रीकृष्ण सिंह, अध्यक्ष पुरातन छात्र परिषद** ने कहा कि भारत की गुलामी में अशिक्षा व गरीबी दो विशेष कारक व्याप्त थे, जिसके उन्मूलन हेतु महंत दिग्विजयनाथ जी जो एक पराक्रमी संत थे, उन्होंने शिक्षा का अलख जगाने हेतु महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद की स्थापना की। कार्यक्रम में सम्मिलित अतिथियों के प्रति आभार ज्ञापन करते हुए **महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो. ओम प्रकाश सिंह** ने कहा कि कामयाबी हासिल करना महत्वपूर्ण नहीं बल्कि उस पर टिके रहना महत्वपूर्ण होता है। **इस वर्ष यू0जी0सी0 नेट की परीक्षा में कुल 18 विद्यार्थियों** ने सफलता प्राप्त की है। इसके साथ ही विगत समय में पॉच अनुदानित सेमीनार आयोजित करने के साथ ही **03 फैकल्टी डेवलपमेन्ट प्रोग्राम एवं 02 ऑनलाइन इण्टरनेशनल सेमीनार** आयोजित किया जा चुका है। इस **कार्यक्रम में 32 पुरातन छात्रों को सम्मानित** किया गया। उक्त कार्यक्रम में **अतिथि परिचय कार्यक्रम के संयोजक डॉ राम प्रसाद यादव ने एवं संचालन डॉ. त्रिभुवन मिश्र ने किया।**

पुरातन छात्र द्वारा रक्षा एवं स्त्रातजिक अध्ययन विभाग को वाटर प्यूरीफायर (आर.ओ.) व पुस्तक भेंट प्रस्तुत

दिनांक 04.08.2025 को महाविद्यालय के रक्षा एवं स्त्रातजिक अध्ययन विभाग के पूर्व छात्र संघ अध्यक्ष एवं शिक्षक, वर्तमान में दी.द.उ.गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर के रक्षा एवं स्त्रातजिक अध्ययन विभाग सहायक आचार्य, डॉ. प्रवीन कुमार सिंह ने वाटर प्यूरीफायर (आर.ओ.) भेंट किया। साथ ही स्वलिखित दो पुस्तक 'राष्ट्रीय सुरक्षा सिद्धान्त एवं व्यवहार' तथा 'एन.टी.ए' नेट/जे.आर.एफ. रक्षा एवं स्त्रातजिक अध्ययन भी महाविद्यालय को प्रदान किया। इस अवसर पर उन्होंने कहा जिस महाविद्यालय से मुझे ज्ञान तथा पहचान मिली है, उसका ऋण चुकाना तो संभव नही है लेकिन फिर भी हम सभी पूर्व विद्यार्थियों का यह दायित्व है कि कुछ वस्तुओं तथा पुस्तकें आदि समय–समय पर भेंट के रूप में अपनी संस्थाओं को अवश्य प्रदान करें, जिससे हमारा भावनात्मक अनुराग बना रहता है। मैं इस महाविद्यालय को अपना घर मानता हूँ और इसके लिए कुछ

August 2025

भी करना अपना सौभाग्य समझता हूँ। महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो. ओम प्रकाश सिंह ने कहा कि पुरातन छात्र किसी भी संस्था के गौरव तथा पहचान होते है। संस्थाओं का मान–सम्मान छात्रों की उपलब्धियों के कारण ही बढ़ता है।

‘जिलेट गार्ड’ के माध्यम से छात्रों हेतु ‘कर लो सफलता मुट्ठी में’ करियर काउंसलिंग कार्यक्रम

दिनांक 07.08.2025 को महाविद्यालय के प्लेसमेंट सेल, इनोवेशन सेल एवं राष्ट्रीय सेवा योजना के संयुक्त तत्वावधान में ’जिलेट गार्ड’ के माध्यम से छात्रों हेतु ’कर लो सफलता मुट्ठी में’ करियर काउंसलिंग कार्यक्रम का आयोजन हुआ।

उक्त कार्यक्रम में मुख्य वक्ता विवेक कुशाग्र, सदस्य जिलेट गार्ड थे। उन्होंने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि देश के युवाओं को करियर में उन्नति की दिशा दिखाने के लिए जिलेट गार्ड की ’कर लो सफलता अपनी मुट्ठी में’ एक नई पहल है। इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य है कि युवा छात्रों को कॉर्पोरेट जगत में प्रवेश करने का बेहतर मौका मिल सके।

कार्यक्रम का संचालन डॉ पवन कुमार पाण्डेय, प्लेसमेंट सेल संयोजक ने किया, अतिथियों सहित सभी का स्वागत डॉ जितेंद्र पाण्डेय, कार्यक्रम अधिकारी, राष्ट्रीय सेवा योजना द्वारा किया गया एवं आभार ज्ञापन डॉ संजीत कुमार सिंह, संयोजक रोवर्स रेंजर्स द्वारा किया गया।

'हर घर तिरंगा' कार्यक्रम के अंतर्गत 'राखी मेकिंग प्रतियोगिता' का आयोजन

दिनाँक 07/08/2025 को महाविद्यालय गोरखपुर में राष्ट्रीय सेवा योजना की चारों इकाइयों के संयुक्त तत्वावधान में 'हर घर तिरंगा' कार्यक्रम के अंतर्गत 'राखी मेकिंग प्रतियोगिता' का आयोजन किया गया।

उक्त अवसर पर दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर की राष्ट्रीय सेवा योजना के समन्वयक प्रोफेसर सत्यपाल सिंह एवं महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो० ओमप्रकाश सिंह जी द्वारा कार्यक्रम का निरीक्षण किया गया। इस अवसर पर प्रोफेसर सत्यपाल सिंह ने कहा कि आजादी का अमृत महोत्सव' के अंतर्गत मनाए जा रहे हर घर तिरंगा कार्यक्रम का उद्देश्य प्रत्येक नागरिक में राष्ट्रभक्ति की भावना को प्रबल करना है। इसी अभियान को और अधिक जनसामान्य से जोड़ने हेतु विभिन्न प्रकार की सांस्कृतिक व रचनात्मक प्रतियोगिताओं का आयोजन किया जा रहा है। इन्हीं में से एक है राखी प्रतियोगिता, जिसमें प्रतिभागियों को देशभक्ति से ओतप्रोत तिरंगे थीम पर राखी बनानी होती है। इस प्रतियोगिता का मुख्य उद्देश्य देशप्रेम, भाई–बहन के स्नेह तथा भारतीय संस्कृति के प्रतीक रक्षा बंधन के पर्व को राष्ट्रीय भावना से जोड़ना है।

इस अवसर पर प्राचार्य प्रो. ओम प्रकाश सिंह ने कहा कि हाथ से बनी इन राखियों में राष्ट्रध्वज के रंगों केसरिया, श्वेत और हरे रंगो का सुंदर समावेश है जो राष्ट्र प्रेम के भाव को प्रदर्शित करता है। इस अवसर पर 20 छात्राओं ने राखियां बनाई, जिसमें निर्णायक मंडल द्वारा सर्वसम्मति से अंजलि व मुस्कान को प्रथम, राधा व रैना को द्वितीय एवं आरती, किरन व सरस्वती को तृतीय स्थान दिया गया। इसके साथ ही साक्षी व पूजा की राखियां भी सराहनीय रही।

August-2

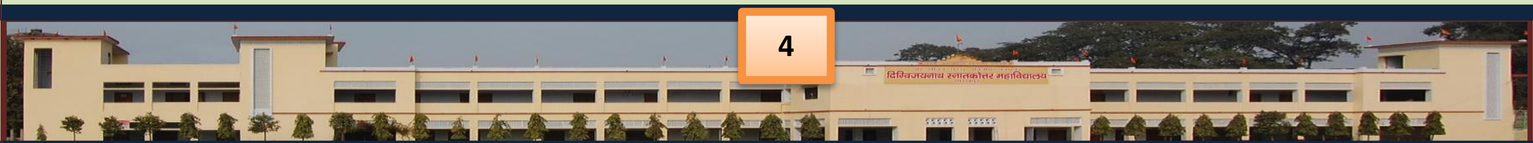

अगस्त क्रान्ति (09 अगस्त 1942) की पूर्व संध्या पर संगोष्ठी का आयोजन

दिनांक 08.08.2025 को महाविद्यालय के अर्थशास्त्र विभाग, स्वदेशी जागरण मंच एवं गोरखनाथ साहित्यिक केन्द्र के संयुक्त तत्वावधान में अगस्त क्रान्ति (09 अगस्त 1942) की पूर्व संध्या पर संगोष्ठी का आयोजन किया गया।

उक्त कार्यक्रम में मुख्य अतिथि प्रो. सर्वेश पाण्डेय, प्राचार्य, डी.सी.एस. के कालेज मऊ थे इस अवसर पर उन्होंने कहा कि यदि शरीर में बल नही है तो हथियार के होने का कोई औचित्य नहीं है। हमारे समाज के चिन्तकों ने यह समझ लिया था कि यदि हम मजबूत नहीं होगें तो हमें दबा दिया जायेगा। सन् 1990 के बाद जब WTO आया तो उसी समय स्वदेशी जागरण मंच का गठन हुआ। कोविड काल में भारत सरकार का यह निर्णय कि हम वैक्सीन अपने ही देश में बनायेंगे, यह निर्णय स्वदेशी आन्दोलन को बल देते हुए देश के लाखों करोड़ रूपये को बचाने में सहायक सिद्ध हुआ। स्वदेशी जागरण मंच के राजेश गुप्ता ने संबोधित करते हुए कहा कि यूरोप व अमेरिका दुनिया से लूट का माल ले जाते थे। डॉ. शुभ्रांशु शेखर सिंह ने कहा कि रक्षा के क्षेत्र में भी स्वदेशी को अपनाने की जरूरत है। राष्ट्रहित ही सर्वोपरि है। राष्ट्रीय स्वंय सेवक संघ के प्रो. पृथ्वीराज सिंह, पूर्व संघचालक गोरक्षप्रांत ने उपस्थित लोगों को अपना आशीर्वचन देते हुए स्वदेशी के महत्व को समझते हुए इसे अपनाने पर विशेष बल दिया। **कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो. ओम प्रकाश सिंह ने कहा कि प्रकृति** व पड़ोस के प्रति हमारा अनुराग ही स्वदेशी है। दुनिया 1990 के बाद बदली है, विश्व अब एक बहुध्रुवीय विश्व बन गया है। **उक्त कार्यक्रम में बीज वक्तव्य प्रो. नित्यानन्द श्रीवास्तव, प्रभारी हिन्दी विभाग एवं संचालन डॉ. दीपक सिंह, प्रभारी अर्थशास्त्र विभाग ने किया।**

August 2025

प्राणि विज्ञान विभाग एवं जूलॉजिकल सोसाइटी के संयुक्त तत्वाधान में 'वर्ल्ड एलीफैंट डे' विषय पर ऑनलाइन विशिष्ट व्याख्यान

दिनांक 12.08.2025 को महाविद्यालय के प्राणि विज्ञान विभाग एवं जूलॉजिकल सोसाइटी के संयुक्त तत्वाधान में 'वर्ल्ड एलीफैंट डे' विषय पर ऑनलाइन विशिष्ट व्याख्यान का आयोजन किया गया।

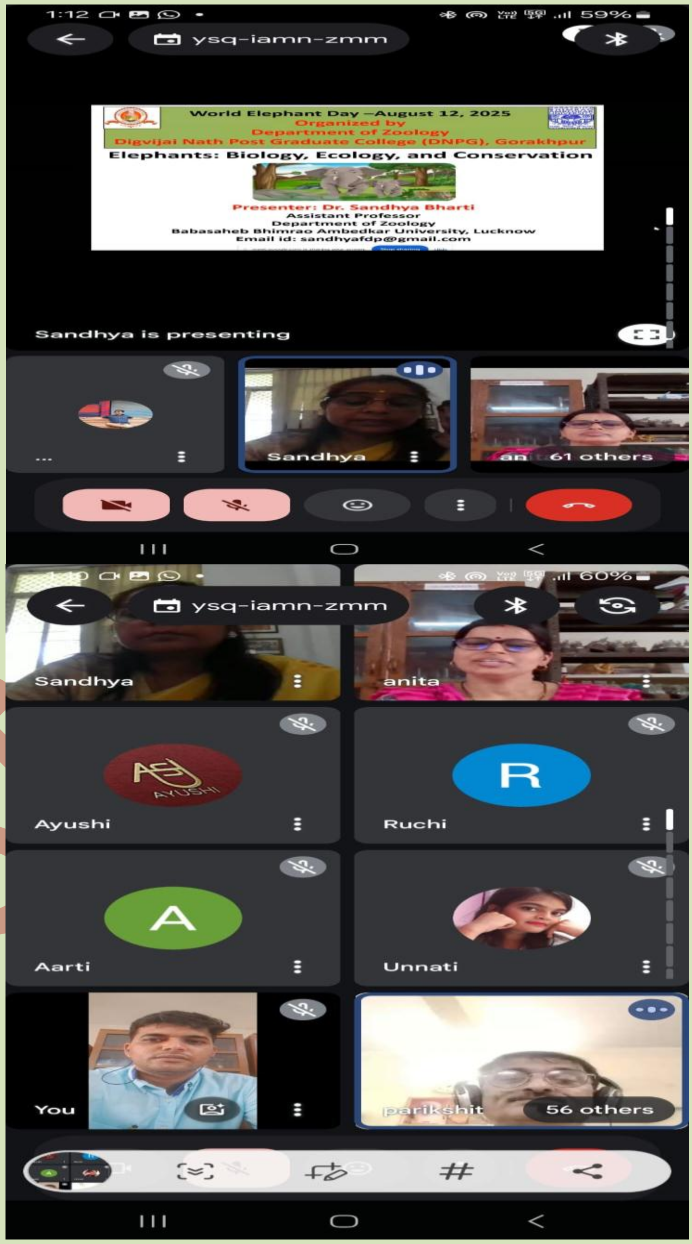

कार्यक्रम की मुख्य वक्ता डॉ. संध्या भारती, असिस्टेंट प्रोफेसर, प्राणि विज्ञान विभाग, बाबासाहेब भीमराव अंबेडकर विश्वविद्यालय, लखनऊ थीं अपने सारगर्भित उद्बोधन में उन्होंने हाथी के संपूर्ण जीवन चक्र, व्यवहार, सामाजिक जीवन पर प्रकाश डाला। इसके साथ ही उन्होंने हाथी की पारिस्थितिक भूमिका का वर्णन करते हुए कहा कि यह एक छाता प्रजाति है जो एक पारिस्थितिक तंत्र इंजीनियर के नाम से भी जाना जाता हैं। इसके अलावा यह बीज प्रकीर्णन और माइक्रोहैबिटेट क्रिएटर है। उन्होंने हाथी के अस्तित्व के खतरों और संरक्षण के उपायों पर बल देते हुए हाथी संबंधी अनुसंधान और संभावनाओं के बारे में विस्तार से वर्णन किया। **महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो. डॉ. ओम प्रकाश सिंह ने हाथी के संरक्षण उपायों के बारे में बताते हुए कहा कि** यह मजबूती, बुद्धिमता, सौभाग्य और सम्पन्नता का प्रतीक हैं। **महाविद्यालय के आई.क्यू.ए.सी. कोऑर्डिनेटर और वनस्पति विज्ञान के प्रो. डॉ. परीक्षित सिंह ने विषय वस्तु का सारगर्भित परिचय दिया। कार्यक्रम की संयोजक डॉ. अनिता कुमारी, प्रभारी, प्राणि विज्ञान विभाग ने बताया कि** हाथी की उपस्थिति जैवविविधता के लिए अति आवश्यक है। **कार्यक्रम के उपसंयोजक श्री हिमांशु यादव ने धन्यवाद ज्ञापन किया।**

August

महाविद्यालय के राष्ट्रीय सेवा योजना द्वारा भव्य तिरंगा यात्रा

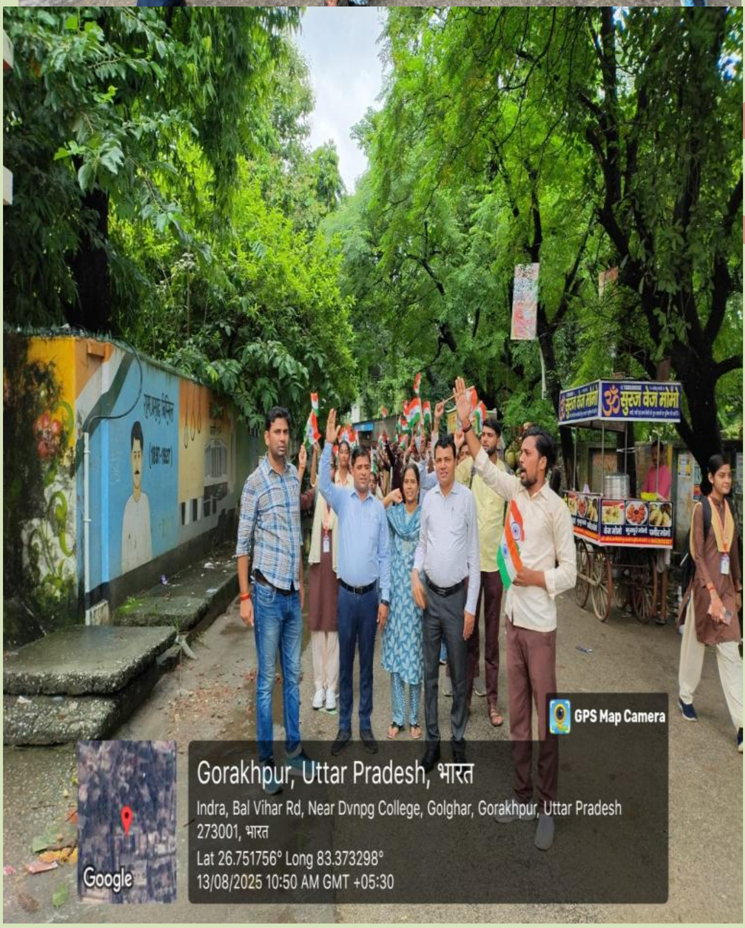

दिनांक 13.08.2025 को शासन के निर्देशानुसार राष्ट्रीय सेवा योजना (एन.एस. एस) इकाई द्वारा भव्य तिरंगा यात्रा का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य स्वतंत्रता संग्राम के अमर बलिदानियों को नमन करना और युवाओं एवं नागरिकों में राष्ट्रभक्ति की भावना जागृत करना था।

यात्रा का शुभारंभ महाविद्यालय परिसर से हुआ, जहाँ महाविद्यालय के यशस्वी प्राचार्य प्रो. ओम प्रकाश सिंह ने ध्वजारोहण कर राष्ट्रभक्ति के नारे व राष्ट्रगान गाकर कार्यक्रम का उद्घाटन किया। एन.एस.एस. के स्वयंसेवक, छात्र–छात्राएँ और शिक्षकों ने हाथों में तिरंगा ध्वज लेकर "भारत माता की जय", "वंदे मातरम" और "जय हिंद" के नारे लगाते हुए नगर की मुख्य सड़कों पर मार्च किया। कार्यक्रम का संचालन कार्यक्रम अधिकारी डॉ. निधि राय ने किया। उन्होंने अपने संबोधन में कहा कि तिरंगा हमारी आन, बान और शान का प्रतीक है, जो हमें त्याग, एकता और बलिदान की प्रेरणा देता है।

‘आयुष्मान भारत’ ‘पी.एम. जन आरोग्य योजना’ विषय पर संगोष्ठी का आयोजन

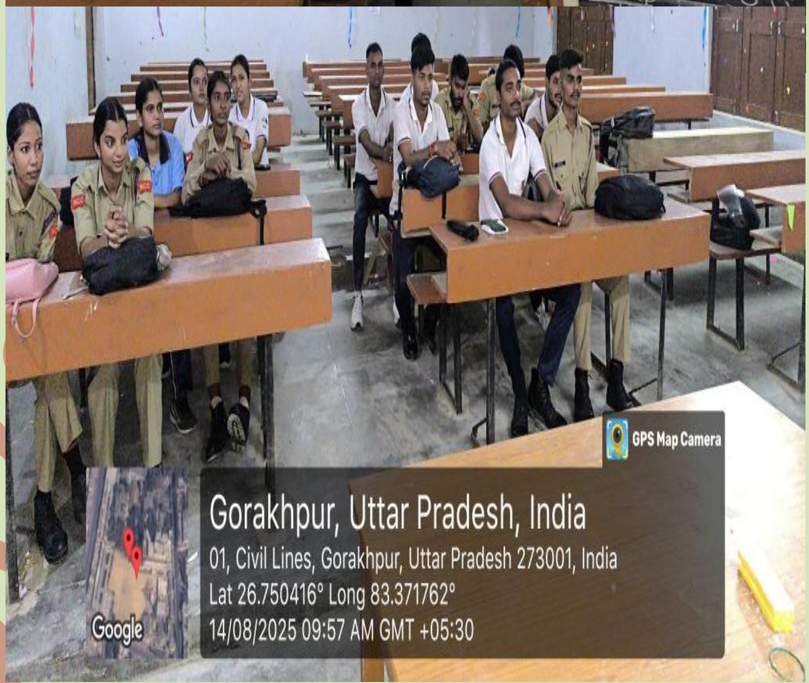

दिनांक 14.08.2025 को 44 यूपी वाहिनी एन.सी.सी., गोरखपुर के तत्वावधान में दिग्विजयनाथ महाविद्यालय की एन.सी.सी. प्लाटून/कम्पनी द्वारा ‘आयुष्मान भारत’ ‘पी.एम. जन आरोग्य योजना’ विषय पर संगोष्ठी का आयोजन किया गया।

संगोष्ठी कार्यक्रम में महाविद्यालय के एन.सी.सी. सी.टी.ओ. डॉ. सुभाष चन्द्र ने पी.पी.टी. प्रेजेंटेशन के द्वारा एन.सी.सी. कैडेट्स को सम्बोधित करते हुए कहा कि भारत सरकार ने 23 सितंबर 2018 में आयुष्मान भारत प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना (पीएम–जेएवाई) की शुरुआत की थी। आयुष्मान भारत–प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना इस योजना को पहले राष्ट्रीय स्वास्थ्य सुरक्षा योजना (NHPS) के नाम से जाना जाता था, जिसे बाद में PM-JAY नाम दिया गया। इस योजना का उद्देश्य देश के गरीब और वंचित नागरिकों को गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएँ सुलभ कराना है। इस योजना के अंतर्गत पात्र व्यक्ति को आयुष्मान कार्ड उपलब्ध कराया जाता है, जिसके द्वारा असाध्य बीमारियों का इलाज करने हेतु रुपए 5 लाख तक निःशुल्क उपचार की व्यवस्था है। **केंद्रीय मंत्रिमंडल ने 11 सितंबर, 2024 को इस योजना का व्यापक विस्तार करते हुए 70 वर्ष और उससे अधिक आयु के सभी वरिष्ठ नागरिकों को, उनकी आय चाहे जो भी हो, स्वास्थ्य बीमा कवरेज प्रदान करने का निर्णय लिया।**

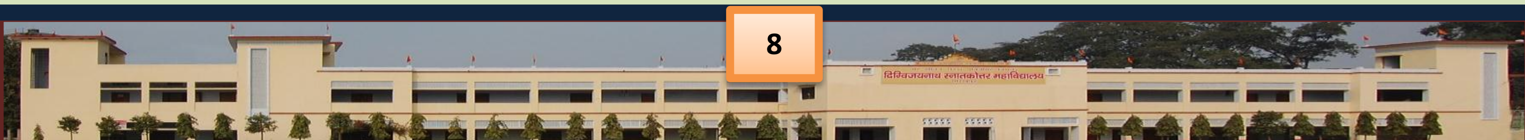

अखंड भारत संकल्प दिवस पर दिग्विजयनाथ पी.जी. कॉलेज में विभाजन की त्रासदी को किया स्मरण

गोरखपुर, 14 अगस्त 2025 शासन के निर्देशानुसार स्वतंत्रता दिवस की पूर्व संध्या पर महाविद्यालय गोरखपुर में अखंड भारत संकल्प दिवस का आयोजन अत्यंत श्रद्धा, गरिमा और देशभक्ति के भावों के साथ सम्पन्न हुआ। कार्यक्रम में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ गोरक्ष प्रांत के माननीय प्रांत प्रचारक आदरणीय रमेश जी मुख्य वक्ता थे। प्रेरक और भावपूर्ण उद्बोधन में कहा कि 1947 का भारत विभाजन केवल भौगोलिक सीमाओं का बंटवारा नहीं था, बल्कि यह करोड़ों लोगों के जीवन पर गहरे घाव छोड़ जाने वाली त्रासदी थी। यह वह घटना थी जिसने लाखों परिवारों को उजाड़ दिया, असंख्य लोगों को शरणार्थी बना दिया और समाज में स्थायी रूप से पीड़ा की स्मृति अंकित कर दी। उन्होंने कहा कि हमारे पूर्वजों ने अखंड भारत का सपना देखा था, जहाँ विभिन्न संस्कृतिया, भाषाएँ, धर्म और परंपराएँ एक सूत्र में बंधी हुई थीं। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो. ओम प्रकाश सिंह ने पूर्व प्रधानमंत्री भारत रत्न अटल बिहारी वाजपेयी जी की प्रसिद्ध कविता 'दिन दूर नहीं' का सन्दर्भ देते हुए कहा कि 'दिन दूर नहीं, जब 'अखंड भारत' का स्वप्न साकार होगा। कार्यक्रम का समापन 101 दीपों को प्रज्वलित कर भारत माता की आरती के साथ की गई।

79वें स्वतंत्रता दिवस को ध्वजारोहण के साथ ही हर्षोल्लास से मनाया गया।

दिनांक 15 अगस्त 2025 को महाविद्यालय में 79वें स्वतंत्रता दिवस को ध्वजारोहण के साथ ही हर्षोल्लास से मनाया गया। राष्ट्रगान के उपरान्त उच्च शिक्षा निदेशक, उत्तर प्रदेश का संदेश वाचन किया गया। सांस्कृतिक समारोह के अन्तर्गत देशभक्ति गीतों व आपरेशन सिन्दूर पर आधारित लघु नाटिका द्वारा भारतीय सेना के शौर्य का प्रदर्शन किया गया।

महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो. ओम प्रकाश सिंह ने विद्यार्थियों को सम्बोधित करते हुए कहा कि एक लम्बे कालखण्ड तक भारत पराधीन रहा, हमारी संस्कृति को अंग्रेजों ने नष्ट करने का भरपूर प्रयास किया, परन्तु इस देश के वीरों एवं वरिष्ठजनों के प्रयासों से हमारी संस्कृति अक्षुण्ण रही।

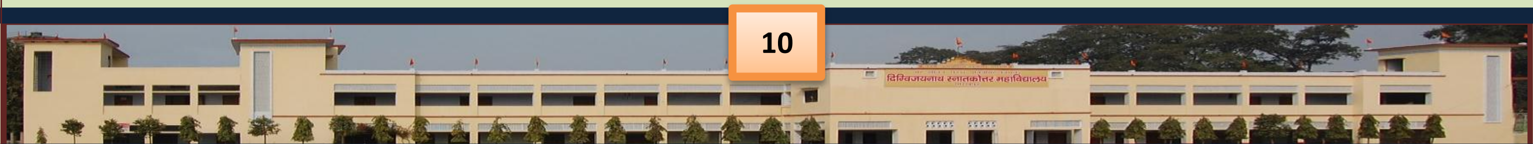

युगपुरूष ब्रह्मलीन मंहत दिग्विजयनाथ जी महाराज एवं राष्ट्रसंत ब्रह्मलीन महंत अवेद्यनाथ जी महाराज स्मृति व्याख्यानमाला

दिनांक 18.08.2025 को महाविद्यालय **में युगपुरूष ब्रह्मलीन मंहत दिग्विजयनाथ जी महाराज एवं राष्ट्रसंत ब्रह्मलीन महंत अवेद्यनाथ जी महाराज स्मृति व्याख्यानमाला के अन्तर्गत** प्रथम व्याख्यान **''भारतीय ज्ञान परम्परा और राष्ट्रीय शिक्षा नीति–2020''** का आयोजन शिक्षा शास्त्र विभाग एवं बी0एड0 विभाग के संयोजकत्व में किया गया।

कार्यक्रम में **मुख्य अतिथि प्रो0 श्रीप्रकाश मणि त्रिपाठी, पूर्व कुलपति इंदिरा गॉधी राष्ट्रीय जनजाति विश्वविद्यालय अमरकंटक** थे। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि भारतीय ज्ञान परम्परा एक सत्य परक परम्परा है, और सत्य स्वयं में नारायण है। इस धरती पर सत्य के समान दूसरा कोई धर्म नहीं है। अंहिसा हमें सहजीवन सिखाता है, इसके साथ ही योग भी हमारे ज्ञान परम्परा का एक महत्वपूर्ण पक्ष है, जहॉ स्वयं को जाना जा सकता है।

विशिष्ट अतिथि श्रीराम जन्म सिंह, सदस्य महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद ने अपने उद्बोधन में कहा कि भारतीय ज्ञान परम्परा हृदय की परम्परा और आत्मा के अनुशासन की परम्परा है। हम सर्वे भवन्तु सुखिनः के मंत्र को मानते हुए अपने समाज के सभी जनों के कल्याण की कामना करते हैं।

कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो0 ओम प्रकाश सिंह ने कहा कि श्रुति, स्मृति व लोकाचार भारतीय ज्ञान परम्परा के मूल आधार है। पराधीनता के कालखण्ड में हम औपनिवेशिक मानसिकता से ग्रसित हो गये और अपने समृद्ध परम्परा को भूलने लगे। उक्त कार्यक्रम में अतिथि परिचय डॉ. निधि राय, धन्यवाद ज्ञापन प्रो. शुभ्रा श्रीवास्तव व संचालन डॉ. त्रिभुवन मिश्रा ने किया।

आविष्कार फाउण्डेशन द्वारा जिले स्तर की युवा उद्यमिता कार्यक्रम

दिनांक 22.08.2025 महाविद्यालय के संवाद कक्ष में आविष्कार फाउण्डेशन द्वारा जिले स्तर की युवा उद्यमिता कार्यक्रम का आयोजन हुआ। उक्त कार्यक्रम में कनिष्ठ व वरिष्ठ वर्ग से कुल 14 टीमों ने प्रतिभाग किया।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि के रूप में **महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो. ओम प्रकाश सिंह थे। उन्होंने कहा कि** आज भारत में सिर्फ 04 प्रतिशत सरकारी नौकरियाँ उपलब्ध है, जबकि हर एक युवा आत्म निर्भर होना चाहता है। इस स्थिति में स्वरोजगार की योजना पर कार्य करना ही आत्म निर्भरता के पथ को प्रशस्त करेगा। इस तरह के कार्यक्रम विद्यार्थियों को अपने व्यवसायिक सोच व स्टार्टप को स्थापित करने में काफी मददगार साबित होंते हैं।

कार्यक्रम के मुख्य वक्ता डॉ. नितीश शुक्ला, प्रभारी भौतिक विज्ञान विभाग ने कहा कि केन्द्र व उ0प्र0 सरकार नवाचार को लगातार बढ़ावा देने हेतु विभिन्न योजनाओं को ला रही है। प्रत्येक महाविद्यालय में नवाचार प्रकोष्ठ की स्थापना को अनिवार्य कर दिया गया है। स्टार्टप की स्थापना हेतु प्रदेश की सरकार अतिरिक्त धन आंवटित की है, जिससे युवा आत्म निर्भर हो सके और अपने आस पास के लोगों को भी रोजगार दे सके। **कार्यक्रम का संचालन व आभार ज्ञापन आविष्कार फाउण्डेशन के एरिया मैनेजर श्री सिद्धान्त राज ने किया।**

प्राचीन इतिहास, पुरातत्त्व एवं संस्कृति विभाग में नवागत छात्र-छात्राओं के लिए अभिविन्यास कार्यक्रम

दिनांक 23.08.2025 को महाविद्यालय गोरखपुर के प्राचीन इतिहास, पुरातत्त्व एवं संस्कृति विभाग में नवागत छात्र–छात्राओं के लिए अभिविन्यास कार्यक्रम का आयोजन गरिमामय ढंग से सम्पन्न हुआ।

कार्यक्रम के मुख्य वक्ता महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो० (डॉ०) ओमप्रकाश सिंह थे। उन्होंने अपने उद्बोधन में विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि उच्च शिक्षा का वास्तविक उद्देश्य केवल परीक्षा उत्तीर्ण कर डिग्री अर्जित करना नहीं है, बल्कि यह जीवन मूल्यों, व्यक्तित्व निर्माण और बौद्धिक विस्तार का माध्यम है। उन्होंने कहा कि प्राचीन इतिहास, पुरातत्त्व एवं संस्कृति का अध्ययन छात्रों को न केवल अपने अतीत से जोड़ता है, बल्कि वर्तमान समाज को समझने और भविष्य के लिए नई दृष्टि विकसित करने का अवसर भी प्रदान करता है। **विभाग प्रभारी धीरज कुमार सिंह ने इस कार्यक्रम में विद्यार्थियों**

को संबोधित करते हुए बताया कि यह अभिविन्यास कार्यक्रम केवल विषय परिचय भर नहीं, बल्कि विद्यार्थियों और विभाग के बीच एक जीवंत शैक्षणिक सेतु है। **डॉ० सुरेन्द्र चौहान ने प्राचीन इतिहास विषय का संक्षिप्त परिचय प्रस्तुत करते हुए विद्यार्थियों को विभाग की शैक्षिक एवं शोध परंपरा से अवगत कराया। डॉ० शिव कुमार ने अपने वक्तव्य में विषय की उपयोगिता और भविष्य की संभावनाओं पर प्रकाश डालते हुए कहा कि इस विषय से अध्ययन करने वाले छात्र–छात्राओं के लिए शोध, पुरातत्त्व विभाग, संग्रहालय, पर्यटन, अभिलेखागार तथा प्रतियोगी परीक्षाओं जैसे क्षेत्रों में रोजगार के अनेक अवसर उपलब्ध हैं। कार्यक्रम का संचालन डॉ० कामिनी सिंह एवं आभार ज्ञापन विभाग प्रभारी धीरज कुमार सिंह द्वारा किया गया।**

दिग्विजयनाथ पी.जी. कॉलेज में 'स्पेस डे' पर साइंस-टेक टॉक्स का आयोजन

दिनांक 23.08.2025 महाविद्यालय के बीसीए विभाग द्वारा 'स्पेस डे' के अवसर पर विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विषयक साइंस–टेक टॉक्स का सफल आयोजन किया गया।

इस कार्यक्रम में कुल 12 छात्रों ने भाग लिया। कार्यक्रम के दौरान बीसीए के सभी छात्रों ने विभिन्न आधुनिक तकनीकों पर अपने विचार प्रस्तुत किए। प्रतियोगिता में जॉनसन चौरसिया, वैष्णवी मिश्रा और श्रेया मिश्रा विजेता घोषित हुए।

कार्यक्रम का संचालन मुदित दुबे ने किया तथा आभार ज्ञापन बीसीए विभागाध्यक्ष डॉ. हरिशंकर गुप्ता ने किया। विजेताओं को प्रमाणपत्र डॉ. हरीशंकर गुप्ता एवं अनुराधा सिंह द्वारा प्रदान किए गए।

महाविद्यालय एवं क्षेत्रीय पुरातत्त्व इकाई, गोरखपुर के संयुक्त तत्वावधान में प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता का सफल आयोजन

महाविद्यालय के प्राचीन इतिहास, पुरातत्त्व एवं संस्कृति विभाग तथा क्षेत्रीय पुरातत्त्व इकाई, गोरखपुर के संयुक्त तत्वावधान में दिनांक 26 अगस्त 2025 को प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस प्रतियोगिता में प्राचीन इतिहास विषय के स्नातक एवं परास्नातक वर्ग के लगभग 240 विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक प्रतिभाग किया। प्रतियोगिता का उद्देश्य विद्यार्थियों में पुरातत्त्व एवं संस्कृति के प्रति गहन रुचि जागृत करना तथा उनके ज्ञान को समृद्ध करना रहा।

महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो.(डॉ.) ओम प्रकाश सिंह ने कहा कि ऐसे आयोजन न केवल विद्यार्थियों के ज्ञानवर्धन में सहायक सिद्ध होते हैं, बल्कि उनमें शोधपरक दृष्टि एवं अकादमिक **प्रतिस्पर्धा की भावना को भी प्रोत्साहित करते हैं।**

August

दिग्विजयनाथ स्नातकोत्तर महाविद्यालय में पुरातत्त्व अभिरुचि विषयक विशिष्ट व्याख्यान का सफल आयोजन

दिनांक 27.08.2025 को महाविद्यालय के प्राचीन इतिहास, पुरातत्त्व एवं संस्कृति विभाग तथा क्षेत्रीय पुरातत्त्व इकाई, गोरखपुर के संयुक्त तत्वावधान में "पुरातत्त्व अभिरुचि विषयक विशिष्ट व्याख्यान" का आयोजन महाविद्यालय के महंत अवेद्यनाथ स्मृति सभागार में संपन्न हुआ।

कार्यक्रम के मुख्य वक्ता डॉ. कृष्ण मोहन दुबे, क्षेत्रीय पुरातत्त्व अधिकारी, गोरखपुर थे। उद्‌बोधन में उन्होंने कहा कि पुरातत्त्व केवल अवशेषों का अध्ययन नहीं है, बल्कि यह अतीत की सांस्कृतिक धरोहर को समझने और वर्तमान समाज के लिए उससे प्रेरणा प्राप्त करने का सशक्त साधन है। उन्होंने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि उत्तर प्रदेश का गोरखपुर क्षेत्र ऐतिहासिक दृष्टि से अत्यंत समृद्ध रहा है और यहाँ के पुरातात्त्विक साक्ष्य भारतीय इतिहास के विविध अध्यायों को उजागर करते हैं। इस अवसर पर महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो. (डॉ.) ओम प्रकाश सिंह ने कहा कि प्राचीन इतिहास और पुरातत्त्व का गहन अध्ययन न केवल शैक्षणिक समृद्धि का मार्ग प्रशस्त करता है, बल्कि यह हमें अपनी सांस्कृतिक जड़ों से जोड़कर आत्मगौरव की भावना को भी प्रबल करता है। विभाग प्रभारी डॉ. धीरज कुमार सिंह ने मुख्य वक्ता का परिचय प्रस्तुत करते हुए उनके पुरातत्त्व क्षेत्र में योगदान का उल्लेख किया। कार्यक्रम का संचालन डॉ. कामिनी सिंह द्वारा किया गया और आभार ज्ञापन डॉ. शिव कुमार ने व्यक्त किया।

Aug-2025

कार्यक्रम में 26 अगस्त को आयोजित प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता में प्रतिभाग करने वाले विद्यार्थियों में प्रथम परास्नातक प्रथम वर्ष की छात्रा तन्नू मिश्रा, द्वितीय स्थान स्नातक तृतीय वर्ष की छात्रा आंचल सिंह एवं तृतीय स्थान 2 विद्यार्थी रोहित प्रजापति एवं अभिषेक कुमार,दोनों ही विद्यार्थी बी.ए. प्रथम वर्ष के छात्र हैं।इन्हें पुरस्कार एवं प्रमाणपत्र प्रदान किया गया।साथ ही इस प्रश्न प्रतियोगिता में प्रतिभाग करने वाले सभी विद्यार्थियों को प्रमाणपत्र प्रदान किया गया।

समाजशास्त्र विभाग में नवागत छात्र-छात्राओं के लिए अभिविन्यास कार्यक्रम

दिनांक 27.08.2025 को महाविद्यालय गोरखपुर के समाजशास्त्र विभाग में नवागत छात्र–छात्राओं के लिए अभिविन्यास कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम के मुख्य वक्ता महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो० (डॉ०) ओमप्रकाश सिंह थे अपने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि उच्च शिक्षा का वास्तविक उद्देश्य जीवन मूल्यों में व्यक्तित्व निर्माण और बौद्धिक विस्तार का माध्यम है। समाजशास्त्र वर्तमान समाज को समझने और भविष्य के लिए नई दृष्टि विकसित करने का अवसर भी प्रदान करता है। **समाजशास्त्र विभाग की प्रभारी प्रो0 अर्चना सिंह ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि यह** अभिविन्यास कार्यक्रम मात्र विषय परिचय ही नहीं, बल्कि विद्यार्थियों और विभाग के बीच एक जीवंत शैक्षणिक सेतु है, जो उन्हें नई शैक्षिक यात्रा के लिए तैयार करता है।

'मेकिंग इण्डिया स्पोर्टिंग एंड फिट नेशन' विषय पर एन.सी.सी द्वारा संगोष्ठी कार्यक्रम

दिनांक 28.08.2025 को संगोष्ठी कार्यक्रम में महाविद्यालय के एन.सी.सी. सी.टी.ओ. डॉ. सुभाष चन्द्र ने पी.पी.टी. प्रेजेंटेशन के द्वारा एन.सी.सी. कैडेट्स को सम्बोधित करते हुए कहा कि 'स्वस्थ शरीर में ही स्वस्थ मस्तिष्क का विकास होता है' एक लोकप्रिय कहावत है, जिसका अर्थ है कि एक स्वस्थ शरीर ही एक स्वस्थ और उत्पादक मस्तिष्क के लिए आधार प्रदान करता है। यदि हम सभी को शारीरिक और मानसिक रूप से स्वस्थ रहकर अपने जीवन में सफलता हासिल करनी है, तो हमें नियमित रूप से खेल–कूद में प्रतिभाग करना चाहिए। एनसीसी इंस्ट्रक्टर श्री सुमित कुमार गुप्ता ने कैडेट्स को सम्बोधित करते हुए कहा कि 'मेकिंग इण्डिया स्पोर्टिंग एंड फिट नेशन' का उद्देश्य देश के सभी नागरिको को विभिन्न खेलों को अपनी दिनचर्या में शामिल करने हेतु जागरूक करना है, जिससे वे स्वस्थ रह सके। इस जागरूकता अभियान में दुनिया के सबसे बड़े युवा संगठन का सदस्य होने के नाते एनसीसी कैडेट्स की भूमिका महत्त्वपूर्ण है। **कार्यक्रम के दूसरे चरण में 'रन फॉर फिट' कार्यक्रम के तहत सभी एनसीसी कैडेट्स ने 03 किलोमीटर की दौड़ में प्रतिभाग किया।**

Aug 2025

राजनीति विज्ञान विभाग मे नवागत छात्र-छात्राओं के लिए अभिविन्यास कार्यक्रम का आयोजन

दिनांक 28.08.2025 को महाविद्यालय के **राजनीति विज्ञान विभाग मे नवागत छात्र–छात्राओं के लिए अभिविन्यास कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसमें विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए विभाग के प्रभारी इन्द्रेश पाण्डेय ने कहा कि** शिक्षा का उद्देश्य व्यक्ति के व्यक्तित्व का विकास करते हुए चरित्रवान और श्रेष्ठ नागरिक तैयार करना होता है। इस कार्य को संपादित करने में राजनीति विज्ञान विषय की महती भूमिका होती है। यह जीवन मूल्यों, व्यक्तित्व निर्माण और बौद्धिक विस्तार का माध्यम है। **विभाग के असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ० शैलेश कुमार सिंह ने कहा कि** अभिविन्यास कार्यक्रम का उद्देश्य विद्याथियों को विषय से पूर्ण रूप से परिचय कराते हुए, उन्हें लक्ष्य बोध कराना भी है। जीवन में अनुशासन, विषय के प्रति प्रतिबद्धता और लक्ष्य के प्रति समर्पण आपका सदैव मार्ग प्रशस्त करता रहेगा। **डॉ० अखिल श्रीवास्तव ने राजनीति विज्ञान विषय का संक्षिप्त परिचय देते विद्यार्थियों को विभाग के सभी शिक्षकों से परिचित कराया। कार्यक्रम का संचालन एवं आभार ज्ञापन डॉ० प्रियंका सिंह ने किया। कार्यक्रम में एम.ए. प्रथम सेमेस्टर के सभी विद्यार्थी उपस्थित रहें।**

Augu

अंग्रेजी विभाग द्वारा नव प्रवेशित विद्यार्थियों के लिए अभिन्यास कार्यक्रम का आयोजन

दिनांक 29.09.2025 अंग्रेजी विभाग में शैक्षणिक सत्र 2025–26 के नव प्रवेशित विद्यार्थियों के लिए अभिन्यास कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर प्रोफेसर अर्चना सिंह ने विद्यार्थियों को संस्थान के मिशन, विज़न, और आदर्शों से परिचित कराया। इसके अतिरिक्त उन्होंने विद्यार्थियों को कॉलेज द्वारा प्रदान की जाने वाली सुविधाओं विशेष रूप से –पुस्तकालय सुविधा, आवास, भाषा प्रयोगशाला खेलकूद, व्यायाम शाला सांस्कृतिक मंच आदि के बारे में भी जानकारी दी। इस अवसर पर बोलते हुए अंग्रेजी विभाग के अध्यक्ष पीयूष कुमार सिंह संस्थान के गौरवशाली इतिहास पर प्रकाश डालते हुए नव प्रवेशित विद्यार्थियों को प्रोत्साहित किया।

राष्ट्रीय खेल दिवस के अवसर पर शतरंज, इंट्राम्यूरल प्रतियोगिता का आयोजन

गोरखपुर, 29 अगस्त को महाविद्यालय में राष्ट्रीय खेल दिवस के अवसर पर शतरंज, इंट्राम्यूरल प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता के उद्घाटन सत्र के मुख्य अतिथि महाविद्यालय के **प्राचार्य प्रो. ओम प्रकाश सिंह** ने विद्यार्थियों को सम्बोधित करते हुए कहा कि ''हॉकी के जादूगर'' मेजर ध्यानचन्द जी के जन्म दिवस को हम राष्ट्रीय खेल दिवस के रूप में मनाते हैं, जिसका उद्देश्य समाज के प्रत्येक वर्ग में

August-2025

खेल के प्रति रूचि को बनाये रखना है। आज के दिन भारत के राष्ट्रपति खिलाड़ियों को उनके उपलब्धियों के लिए सम्मानित करने के क्रम में राष्ट्रीय खेल पुरस्कार प्रदान करते हैं। उद्घाटन सत्र का संचालन और विवरण डॉ. अवधेश शुक्ला, सचिव क्रीड़ा परिषद ने किया। कार्यक्रम का संक्षिप्त परिचय देते हुए क्रीड़ा परिषद के सदस्य डॉ. नितीश शुक्ला ने बताया कि प्रतियोगिता में कुल 21 प्रतिभागियों ने प्रतिभाग किया है। प्रतियोगिता के सफल आयोजन हेतु रेफरी (आर्बीटर) के रूप में शतरंज के राष्ट्रीय खिलाड़ी श्री शशि प्रकाश व अमितेश कुमार आनन्द जी को आमंत्रित किया गया है।

प्रतियोगिता के समापन व पुरस्कार वितरण सत्र में मुख्य अतिथि के रूप में महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद के सदस्य डॉ. शैलेन्द्र प्रताप सिंह थे। उन्होने विद्यार्थियों को बधाई देते हुए कहा कि प्रतियोगिता में प्रतिभाग करना ही सबसे महत्वपूर्ण है। राष्ट्रीय खेल दिवस को मनाये जाने का मुख्य उद्देश्य युवाओं को खेलों के प्रति प्रेरित करना स्वस्थ जीवन के प्रति जागरूकता बनाना, एकता का संदेश देना व खेल में बेहतर प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ियों को सम्मानित करना है। शतरंज का खेल एकाग्रता और बौद्धिक क्षमता को विकसित करता है। प्रतियोगिता में प्रथम स्थान बी0एस0सी0 तृतीय सेमेस्टर के छात्र निखिल सिंह, द्वितीय स्थान बी.एस.सी पंचम सेमेस्टर के छात्र विवेक मिश्रा व तृतीय स्थान बी0एस0सी0 के छात्र अर्जुन गौड़ ने प्राप्त किया। समापन सत्र का संचालन श्री विवेकानन्द ने तथा आभार ज्ञापन क्रीड़ा परिषद के अध्यक्ष प्रो. परीक्षित सिंह ने किया।

शिक्षाशास्त्र विभाग में नवप्रवेशित विद्यार्थियों के लिए अभिविन्यास कार्यक्रम आयोजित

दिनांक 29.09.2025 गोरखपुर। दिग्विजयनाथ स्नातकोत्तर महाविद्यालय के शिक्षा शास्त्र विभाग में नवप्रवेशित विद्यार्थियों का अभिविन्यास कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में प्राचार्य ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि यह महाविद्यालय केवल शिक्षा प्रदान करने का केंद्र ही नहीं, बल्कि मूल्य, संस्कार और जीवन–निर्माण का भी मंदिर भी है। आप सभी ने यहाँ प्रवेश लेकर एक सुनहरे भविष्य की नींव रखी है। विभागाध्यक्ष डॉ निधि राय ने सभी विद्यार्थियों का स्वागत करते हुए

शिक्षा शास्त्र के महत्व एवं विभाग की विशेषताओं पर प्रकाश डाला। अपने उद्बोधन में इन्होंने कहा कि शिक्षा शास्त्र का अध्ययन केवल शैक्षिक ज्ञान प्राप्त करने का माध्यम ही नहीं है, बल्कि यह समाज परिवर्तन का सशक्त साधन भी है। डॉ श्याम सिंह ने कहा कि आपके लिए यह समय केवल पाठ्यक्रम पूरा करने का नहीं है, बल्कि आत्म–विकास, चिंतन, शोध और व्यक्तित्व–निर्माण की दिशा में पहला कदम है। डॉ त्रिभुवन मिश्रा ने अपने उद्बोधन में विद्यार्थियों को बताया कि शिक्षाशास्त्र वह विद्या है जो न केवल ज्ञान प्रदान करती है बल्कि समाज में परिवर्तन लाने की प्रेरणा भी देती है। डॉ अखंड प्रताप सिंह ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि आप सभी से मेरी अपेक्षा है कि आप अनुशासन, परिश्रम और सृजनशीलता को अपने जीवन का हिस्सा बनाएं। डॉ सुजीत कुमार शर्मा ने विद्यार्थियों से जिज्ञासा, समय का सदुपयोग एवं सृजनशीलता को जीवन का मूलमंत्र बनाने का आह्वान किया। इसके पश्चात् अभिविन्यास कार्यक्रम में नवप्रवेशित विद्यार्थियों ने भी अपनी उत्सुकता व्यक्त करते हुए महाविद्यालय के साथ जुड़ने पर प्रसन्नता जताई। अंत में आभार ज्ञापन डॉ जागृति विश्वकर्मा द्वारा प्रस्तुत किया गया।

दिग्विजयनाथ पी.जी. कॉलेज, गोरखपुर में एन.सी.सी .कैडेट्स के चयन हेतु भर्ती की प्रक्रिया पूर्ण

दिनांक 30.08.2025 को महाविद्यालय में 44वीं यूपी बटालियन एन.सी.सी गोरखपुर में कैडेट्स की भर्ती/चयन प्रक्रिया बटालियन के सैन्य अधिकारियों के नेतृत्व में संपन्न हो गई। विद्यार्थियों का चयन डॉक्यूमेंट वेरिफिकेशन, लंबाई, सीट–अप, पुश–अप, दौड़, बेसिक मेडिकल चेकअप (नाक, कान, आंख, नॉकनी, कैरिंग एंगल, फ्लैट फूट इत्यादि) तथा लिखित परीक्षा के आधार पर हुआ। **भर्ती प्रक्रिया में कुल 130 विद्यार्थियों ने 29 रिक्तियों के लिए प्रतिभाग किया।** इस अवसर पर **महाविद्यालय के प्राचार्य (डॉ.) ओम प्रकाश सिंह ने** भर्ती प्रक्रिया को सकुशल संपन्न कराने के लिए बटालियन के अधिकारियों के प्रति आभार व्यक्त किया। भर्ती की सम्पूर्ण प्रक्रिया के दौरान महाविद्यालय के एनसीसी सी.टी.ओ. डॉ. सुभाष चन्द्र, प्रशिक्षक श्री शिवम कुमार गुप्ता एवं द्वितीय तथा तृतीय वर्ष के समस्त कैडेट्स उपस्थित रहे।

August-2025